अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : द्वितीय – जैन धर्म प्रवेशिका (परीक्षा 12 जुलाई, 2015)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) अस्थिर आत्माओं को धर्म में स्थिर करते हैं-

(क) अरिहंत (ख) उपाध्याय

(ग) आचार्य (घ) सिद्ध ( )

(b) सामायिक का समापन सूत्र है-

(क) करेमि भंते (ख) लोगस्स

(ग) एयस्स नवमस्स (घ) णमोत्थुणं ( )

(c) कायोत्सर्ग की काल मर्यादा है-

(क) निश्चित नहीं (ख) 1 मुहूर्त्त

(ग) 48 मिनिट (घ) 1 घड़ी ( )

(d) श्री पुष्पदन्त जी कौनसे तीर्थंकर का दूसरा नाम है-

(क) आठवें (ख) सातवें

(ग) दसवें (घ) नवमें ( )

(e) अंक 21 के भंग हैं-

(क) 9 (ख) 6

(ग) 3 (घ) 5 ( )

(f) दूसरे की चुगली करना पाप है-

(क) अभ्याख्यान (ख) पैशुन्य

(ग) कलह (घ) परपरिवाद ( )

(g) आदित्य किस जाति का देव है -

(क) भवनपति (ख) ज्योतिषी

(ग) लोकन्तिक (घ) वैमानिक ( )

(h) अरूपी अजीव के भेद हैं -

(क) 30 (ख) 12

(ग) 60 (घ) 96 ( )

(i) पार्श्वनाथ का विवाह किसके साथ हुआ -

(क) श्री मृगावती (ख) श्री प्रभावती

(ग) श्री कर्मावती (घ) श्री धर्मावती ( )

(j) शिक्षा प्राप्ति में बाधक कारण नहीं है-

(क) धन (ख) अभिमान

(ग) प्रमाद (घ) रोग ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) कायोत्सर्ग के 12 आगार होते हैं। ( )

(b) पाठ को अशुद्ध बोलना निरपेक्ष दोष है। ( )

(c) सिद्ध भगवान सशरीरी नहीं होते हैं। ( )

(d) विराधना 10 प्रकार की होती हैं। ( )

(e) आचार्य 25 गुणों के धारक होते हैं। ( )

(f) निर्जरा के 10 भेद नहीं होते हैं। ( )

(g) ज्योतिषी देवों का 1 दण्डक होता है। ( )

(h) अशुभ योग प्रवर्त्तावे तो संवर होता है ( )

(i) संस्थान पाँच होते हैं। ( )

(j) मिथ्यात्व के दस प्रकार होते हैं। ( )

प्र.3 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिए हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिएः - **10x1 = (10)**

(a)	प्रणिपात सूत्र	-	आत्मा	.....
(b)	देश	-	ग्रैवेयक	.....
(c)	ज्ञान	-	पुण्य	.....
(d)	ण सोहियं	-	संज्ञा	.....
(e)	त्रिकोण	-	शक्रस्तव	.....
(f)	भय	-	अतिचार	.....
(g)	वस्त्र	-	संस्थान	.....
(h	देवयं	-	कथा	.....
(i)	वचन	-	जृंभक	.....
(j)	आमोह	-	चेइयं	.....

प्र.4 मुझे पहचानो : - **10x1 = (10)**

(a) मैं आठ कर्मों से मुक्त निरंजन निराकार हूँ। .....

(b) मैं शरीर को स्थिर, वचन को मौन तथा मन को एकाग्र रखकर किया जाता हूँ।.....

(c) मेरे उच्चारण से सभी पापों का नाश होता है। .....

(d) मैं 27 गुणों का धारक हूँ। .....

(e) मुझे प्राकृत भाषा में णमोक्कार कहते हैं। .....

(f) मेरा गुण स्थिर गुण है। .....

(g) मैं दसवाँ भवनपति देव हूँ। .....

(h) मेरे 18 भेद हैं। .....

(i) मैं श्रावक का ग्यारहवाँ व्रत हूँ। .....

(j) मेरे 563 भेद हैं। .....

प्र.5 एक-दो वाक्यों में उत्तर दीजिए :- **12x2 = (24)**

(a) **गुरु किसे कहते हैं?**

.....

.....

(b) **निदान दोष का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(c) **तिक्खुत्तो के पाठ का दूसरा नाम क्या है?**

.....

.....

(d) **सामायिक व्रत कितने करण व कितने योग से ग्रहण किया जाता है?**

.....

.....

(e) **रत्नत्रय कौन-कौन से हैं?**

.....

.....

(f) **दूसरा णमोत्थुणं बोलने पर 'ठाणं संपत्ताणं' के स्थान पर क्या बोला जाता है?**

.....

.....

(g) **छह लेश्या के नाम लिखिए।**

.....

.....

(h) **नव तत्त्व के नाम लिखिए।**

.....

.....

(i) **भगवान पार्श्वनाथ का जन्म कब व कहाँ हुआ था?**

.....

.....

(j) **भगवान पार्श्वनाथ से कौनसे देवों ने संयम अंगीकार करने की प्रार्थना की?**

.....

.....

(k) **भगवान पार्श्वनाथ ने किस धर्म का प्रवर्तन किया? उसके भेदों के नाम भी लिखिए।**

.....

.....

(l) **भगवान महावीर ने दास के कानों में शीशा किस भव में डाला? उसका उन्हें क्या फल भोगना पड़ा?**

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : - **12x3=(36)**

(a) **पर्युपासना से क्या लाभ हैं?**

.....

.....

.....

.....

(b) **इरियावहिया के पाठ का क्या प्रयोजन है?**

.....

.....

.....

.....

(c) **काया के अंतिम 6 दोषों को स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(d) **राग-द्वेष किसे कहते हैं?**

.....

.....

.....

.....

(e) **नवकार मंत्र मंगल रूप क्यों है?**

.....

.....

.....

.....

(f) **साधुजी का तीसरा महाव्रत लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(g) **अंक 22 के भंग लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(h) **भगवान पार्श्वनाथ की जीवनी से मिलने वाली 3 शिक्षाएँ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(i) **महापापी के प्रथम 6 भेद लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(j) **यतना से होने वाले कोई तीन लाभ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए : -

(k) **पग-पग में** .....

.....

..... **ही व्यापार है।**

(l) **प्रातः समय** .....

.....

..... **शान्ति कहो।**